इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

मानसी

अंक १ जनवरी २०१३
क्षेत्रीय केन्द्र सहरसा प्रकाशन
Regional Centre Saharsa publication

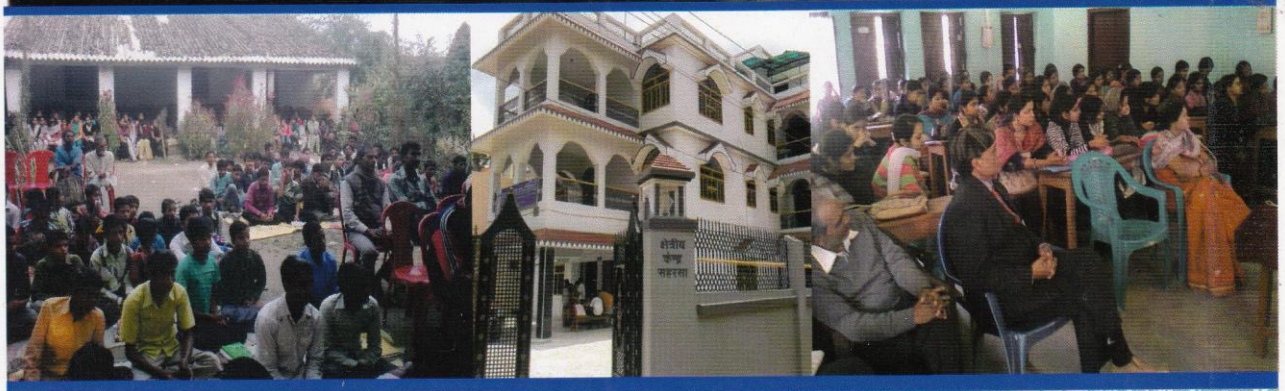

"शिक्षा मानव को बन्धनों से मुक्त करती है और आज के युग में तो यह लोकतंत्र की भावना का आधार भी है। जन्म तथा अन्य कारणों से उत्पन्न जाति एवं वर्गगत विषमताओं को दूर करते हुए मनुष्य को इन सबसे ऊपर उठाती है।"

- इन्दिरा गाँधी

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

विषय सूची
Contents

संदेश :
कुलपति इग्नू
Vice Chancellor IGNOU
निदेशक क्षे0 से0 प्र0
Director RSD, IGNOU
संयुक्त सचिव
Joint Secretary, MHRD
आयुक्त कोशी प्रमंडल
Commissioner, Koshi Division
कुलपति बी0 एन0 मं0 विश्वविद्यालय
Vice Chancellor, BNMU

इग्नू के बारे में
About the IGNOU

इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र के बारे में
About IGNOU RC, Saharsa

गतिविधियां
Activities

लेख
Articles

प्रतिपुष्टि
Feedback

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न
FAQs

अध्ययन केन्द्र : एक नजर में
LSCs at a Glance

समाचार पत्रो से
From the Newspapers

संपादक मंडल:
Editorial Board
डॉ0 पूनम कु. सिंह
डॉ0 एम. एन. ए. बेग
श्री निखिल कांत
सहयोग:
श्री संदीप कु. आनंद
श्री भुवन कु. सिंह
सुश्री प्रिया कुमारी
सुश्री पूजा कुमारी

क्षेत्रीय निदेशक की कलम से
RD'S Desk

उच्च शिक्षा नवीन विचार तथा रचनात्मक ज्ञान के निमार्ण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। समाज के दीर्घकालिक विकास में इसका बहुमूल्य योगदान है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् भारत में उच्च शिक्षा का स्वरूप राधा कृष्णन कमीशन (यूनिवर्सिटी एडुकेशन कमीशन 1948–49) तथा कोठारी कमीशन (1964–66) के अनुशंसाओं के आधार पर स्थापित हुआ। बाद में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 तथा राष्ट्रीय नॉलेज कमीशन–2007 द्वारा शिक्षा में सुधार हेतु महत्त्वपूर्ण सुझाव दिए गये। इन सब के पीछे उद्देश्य था– एक संतुलित शिक्षा व्यवस्था का गठन जो भारत को सुविग्य समाज के रूप में स्थापित करे तथा राष्ट्र के विकास में समुचित योगदान दे।

उच्च शिक्षा के प्रसार के लिए देश में बड़ी संख्या में शिक्षण संस्थान खोले गये। परन्तु "कैम्पस–शिक्षण" आधारित परम्परागत शिक्षण संस्थान उच्च शिक्षा हासिल करने की इच्छा रखने वाले बहुसंख्य विद्यार्थियों की मांग पूरा कर पाने में सक्षम नहीं थे। इस पृष्ठभूमि में 1985 में मुक्त और दूरस्थ शिक्षा प्रणाली पर आधारित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) की स्थापना हुई।

शिक्षार्थियों की आवश्यकता के अनुकूल लचीले पाठ्यक्रम के बल पर यह मॉडल शिक्षार्थियों के बीच में बेहद लोकप्रिय हुआ। आज 'इग्नू' विश्व के विशालतम विश्वविद्यालयों में एक है। लाखों अध्ययनकर्त्ताओं की सहायता के लिए क्षेत्रीय केन्द्र तथा शिक्षार्थी सहायता केन्द्र का विशाल नेटवर्क है।

उत्तर बिहार के कोशी क्षेत्र के आठ जिलों – पूर्णियाँ, खगड़िया, मधेपूरा, कटिहार, अररिया, सुपौल, किशनगंज और सहरसा में 'इग्नू' के कार्यक्रमों को लोकप्रिय बनाने तथा क्षेत्र के उच्च शिक्षण संस्थानों के सहयोग से इसे बेहतर ढंग से संचालित करने के उद्येश्य से इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र सहरसा की स्थापना जुलाई 2011 में की गई। क्षेत्रीय केन्द्र की स्थापना के बाद 'इग्नू' के कार्यक्रमों के प्रति लोगों में रूची बढी है। क्षेत्र में शिक्षार्थियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र सहरसा द्वारा न्यूजलेटर 'मानसी' के प्रथम अंक का प्रकाशन, हमारे लिए हर्ष का विषय है। इसमें क्षेत्रीय केन्द्र सहरसा तथा क्षेत्र के विभिन्न संस्थानों में चल रहे शिक्षार्थी अध्ययन केन्द्रों की गतिविधियों तथा उच्च शिक्षा को लोकप्रिय बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों का विवरण है।

हमें विश्वास है कि 'मानसी' में प्रकाशित तथ्य तथा विचार शिक्षा के प्रचार–प्रसार में सहायक होंगे। अंत में हम अपनी यह प्रतिबद्धता एक बार फिर दोहराते हैं–

"ज्ञान में अपार शक्ति है तथा प्रत्येक व्यक्ति को इसे अर्जित करने का अवसर मिलना चाहिए"।

डॉ0 पूनम कु. सिंह

आभार :
हम क्षेत्रीय केन्द्र सहरसा की ओर से इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति महोदय, निदेशक क्षेत्रीय सेवा प्रभाग और मुख्यालय के सभी विभागों व अध्ययन विद्यापीठों के प्रमुख के प्रति उनके मार्गदर्शन, सहयोग और प्रोत्साहन के लिए आभार व्यक्त करते है।

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

प्रो० गोपीनाथ प्रधान
कुलपति
Prof. Gopinath Pradhan
Vice Chancellor
E : vc@ignou.ac.in
P : +91-11-29532707, 29532484
F : +91-11-29535933

ignou
THE PEOPLE'S
UNIVERSITY

Message

I am glad to note that IGNOU Regional Centre, Saharsa is bringing out its first publication-Regional Centre, Newsletter, on the occasion of IGNOU foundation day 19th Nov, 2012.

IGNOU is the National Resource Centre for open and distance learning (ODL). The mandate given to us is to provide access to higher education to all segments of society. IGNOU has redefined the higher education system through the concepts of convergence of ODL & conventional systems, community colleges for skill development, centre of disability studies & training etc.. We offer high quality innovative programmes at affordable cost.

To address the needs of the learners of the region, IGNOU established its regional centre (RC) at Saharsa in July 2011. The Regional Centre has made significant contribution in promoting the program of IGNOU since then. I am sure that the information presented in RC Newsletter will be useful for further popularizing the IGNOU programmes and courses.

I take this opportunity to congratulate the members of Regional Centre Saharsa and wish all the best to its publication team.

G.Pradhan
(Gopinath Pradhan)

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

ignou
THE PEOPLE'S
UNIVERSITY

Message

My heartiest congratulations and greetings to all employees of IGNOU Regional Center, Saharsa for efficiently extending the services of the University in the region.

I am pleased to know that Regional Centre, Saharsa is also bringing out its maiden publication putting into perspective its activities and achievements since its establishment in July 2011.

The mission of the Indira Gandhi National Open University is to build an inclusive knowledge society. The main thrust has been to provide an intelligent and flexible system of education to meet the challenges of access and equity. Over the years, IGNOU has lived up to the country's expectations of providing access to higher education to all segments of the society through innovative and need-based programmes at different levels.

IGNOU has a wide network of Regional Centres (RCs) and Study Centres across the length and breadth of the country. We constantly strive to provide effective student support services that address the specific need of students in the region . With this in mind regional centre saharsa was carved out of regional centre Darbhanga. The outcome is positive and truly reflected in the increase of students enrolment, opening of new learners support centres, activation of new programs etc. Opening of a study centre for Jail inmates at Saharsa Jail, a special study centre for woman at Ramesh Jha Mahila Collage and study centre for computer courses at Government Polytech. Saharsa are worth mentioning.

I wish that RC Saharsa goes a long way in implementing IGNOU's mandate relevant in the local context and accelerate the growth of higher education in the region.

Dr. Srikant Mohapatra
Director
Regional Services Division

क्षेत्रीय सेवा प्रभाग
Regional Services Division
T : +91-11-29534492, 29571000-30
F : +91-11-29533062

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
Indira Gandhi National Open University
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068, भारत | www.hindi.ignou.ac.in
Maidan Garhi, New Delhi - 110068, INDIA | www.ignou.ac.in

अनन्त कुमार सिंह, भा.प्र.से.
संयुक्त सचिव

सूचना का अधिकार

भारत सरकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग
शास्त्री भवन
नई दिल्ली - 110 115
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
DEPARTMENT OF HIGHER EDUCATION
SHASTRI BHAVAN
NEW DELHI-110 115

संदेश

बिहार राज्य के पिछड़े कोशी क्षेत्र में उच्च शिक्षा को कम लागत पर जनसुलभ बनाने के लिए इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) का क्षेत्रीय केन्द्र, सहरसा वर्ष 2011 में स्थापित किया गया था। मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि शैशव काल की कई कठिनाइयों से ग्रस्त होने के बावजूद यह केन्द्र अपने उद्देश्य की पूर्ति में लगातार आगे बढ़ रहा है। यह और भी प्रसन्नता की बात है कि अपनी गतिविधियों को आम आदमी तक पहुँचाने के लिए क्षेत्रीय केन्द्र अपना 'न्यूजलेटर' प्रकाशित कर रहा है। इसके लिए इग्नू के इस क्षेत्रीय केन्द्र के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मेरी हार्दिक बधाई एवं भविष्य के लिए शुभकामनायें।

भारत जैसे विविध, विशाल एवं विकासशील देश में सुविधावंचित और दूर-दराज स्थानों में रहने वाले शिक्षार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराना एक चुनौती भरा कार्य है। परम्परागत शिक्षण संस्थानों के माध्यम से इस लक्ष्य को प्राप्त करना अत्यन्त कठिन है। पिछले वर्षों में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम एक सफल विकल्प के रूप में उभरा है। इग्नू के लचीले और अभिनव पाठ्यक्रम शिक्षार्थियों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। शिक्षार्थियों के लिए सामुदायिक कॉलेज, व्यावसायिक तथा पेशेवर पाठ्यक्रम, ज्ञान व कौशल उन्नयन आदि आकर्षक विकल्प हैं। इग्नू के ई-लर्निंग संसाधन, यथा-ऑनलाइन स्टडी मेटेरीयल, ई-लाइब्रेरी और दूरदर्शन के 'ज्ञान-दर्शन' प्रसारण इत्यादि शिक्षार्थियों के लिए अत्यन्त उपयोगी पाये गए हैं। मुझे विश्वास है कि इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र, सहरसा स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखकर प्रासंगिक व सार्थक कार्यक्रमों को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और क्षेत्र के मानव संसाधन विकास में बहुमूल्य योगदान देगा।

(अनन्त कुमार सिंह)

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़े सब बढ़े

Bimlanand Jha.
I.A.S.
Divisional Commissioner ,
Koshi Division , Saharsa.

Tel. - 06478 - 224984(o)
06478 - 224987(R)
Fax. - 06478 - 223604
Mob. - 9473191430

Ref .....

Date .....

MESSAGE

I am extremely delighted that IGNOU regional centre Saharsa has successfully completed one year since its establishment in 2011. It is doing a commendable job in promoting higher education in the Koshi region of north Bihar.

Indira Gandhi National Open University has, over the years, been playing a major role in delivering higher education through its innovative educational, training and capacity building distance learning programmes.

To me Distance Education is the cost-effective way to take higher education to the largest number of people, many of whom have little or no access to conventional education. It also offers an opportunity to those already in employment to upgrade their knowledge base and contribute effectively to their respective areas of work.

I am glad to note that IGNOU RC, Saharsa is bringing out its first publication highlighting its activities and accomplishments over the past year.

I congratulate all members of RC, Saharsa on their achievements and wish them all success in their future endeavours. I assure all support from our end.

25.12.12

(Bimlanad Jha)

B. N. Mandal University

Madhepura- 852 113 (Bihar)

Dr. Arun Kumar
Vice-Chancellor

S.T.D. Code- 06476
222059 (O)
222060 (R)
Fax-222578

Message

IGNOU RC Saharsa is completing one year of establishment. I feel proud at all that it has accomplished in the past year. I congratulate the members of Regional Center Saharsa on their achievements.

In a developing country like making higher education accessible to large number of aspirants is a mammoth task. To address this need IGNOU has many open distance learning (ODL) programme running successfully in collaboration with local colleges and institutions in the region. I am glad to inform that most of the leading colleges under B. N. Mandal University host IGNOU learners support centers imparting higher education in the Kosi region of north Bihar.

The presence of RC Saharsa has surely given a boost to IGNOU activities in the region. I see this as a step towards an accelerated socio-economic development propelled by the growth of quality education.

I am happy that the first publication of this newly founded RC is now in your hands. I wish the entire team good luck for their future endeavours and hope it keeps with the spirit of being the "People's University".

(Dr. Arun Kumar)
Vice-Chancellor

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)
INDIRA GANDHI NATIONAL OPEN UNIVERSITY (IGNOU)

इग्नू के बारे में — ABOUT IGNOU

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) की स्थापना संसद के अधिनियम 1985 के अंतर्गत केन्द्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के रूप में की गई थी। यह विश्वविद्यालय स्थान, समय, उम्र, जाति, रंगभेद और धर्म की दीवारों को तोड़ कर समाज के सभी वर्गों को विशिष्ट एवं उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के प्रति वचनबद्ध है। शिक्षा के लोकतंत्रीकरण के राष्ट्रीय उद्देश्य में महत्वपूर्ण कड़ी का कार्य करते हुए इग्नू देश के हर कोने में शिक्षा का प्रसार कर रहा है। इग्नू विश्वविद्यालय विश्व में प्रमुख शैक्षिक संस्थाओं में से एक है। अपने अस्तित्व के इन 28 वर्ष की अवधि में इग्नू ने दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से भारत में उच्च शिक्षा के विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान किया है।

उपर्युक्त लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में आगे बढते हुए इग्नू जन–जन का विश्वविद्यालय बन गया है और समाज के दूर–दराज के क्षेत्रों में रहने वाले अशिक्षित एवं सुविधावंचित वर्ग तक शिक्षा पहुंचाने में अग्रणी है। इग्नू के कार्यक्रम दूर शिक्षा प्रणाली द्वारा प्रस्तुत किये जाते हैं। ग्रामीण क्षेत्र की जनसंख्या के एक बड़े वर्ग को उच्च शिक्षा का अवसर प्रदान करना और इस प्रकार समुदाय के लिए शिक्षणात्मक लाभ प्राप्त करने का प्रयास करना, सुविधाविहीन वर्गों और व्यक्तियों को उच्च शिक्षा उपलब्ध कराना, ज्ञान और कौशल की उन्नति के लिए अवसरों के द्वार खोलना, उन सभी लोगों के द्वार तक उच्च शिक्षा को लाना जो इसके इच्छुक हैं व विश्वविद्यालय स्तर पर उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करना। इग्नू उनलोगों को कम लागत पर उच्च गुणवत्ता की शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है जो किन्हीं कारणों से आगे अध्ययन करने का अवसर प्राप्त नहीं कर सके हैं। इस विश्वविद्यालय की शिक्षण पद्धति परंपरागत विश्वविद्यालयों की शिक्षण पद्धति से भिन्न है।

मुक्त विश्वविद्यालय पद्धति विद्यार्थी–केंद्रित शिक्षण पद्धति है और अध्ययन–अध्यापन प्रक्रिया में विद्यार्थी सक्रिय रूप से भागीदार होते हैं। इस पद्धति के अंतर्गत अधिकतर शिक्षण कक्षा में आमने–सामने न देकर दूरस्थ प्रणाली से दिया जाता है। विश्वविद्यालय शिक्षण के लिए बहु–माध्यम शिक्षण पद्धति अपनाता है जैसे स्व–शिक्षा अध्ययन सामग्री सत्रीय कार्य, Audio/Video and Teleconferencing, अध्ययन केन्द्रों पर आयोजित परामर्श कक्षाएं। वैसे स्व–शिक्षा अध्ययन सामग्री ही शिक्षण सामग्री का मुख्य आधार है, यह सामग्री सत्रांत परीक्षा की तैयारी के लिए पर्याप्त होती है। विश्वविद्यालय अपने सभी कार्यकलापों–अध्ययन, अनुसंधान, प्रशिक्षण और विस्तार– में गुणवत्ता के लिए प्रतिबद्ध है।

इग्नू मुक्त और दूर शिक्षा पद्धति में विशेषज्ञता और बुनियादी संरचना के लिए राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र के रूप में कार्य करता है। यह एक शीर्ष निकाय है जो व्यावसायिक सक्षमताओं और संसाधनों के आदान–प्रदान को सुनिश्चित करने तथा देश में दूर शिक्षा के मानकों को सुधारने के लिए उत्तरदायी है:

1. मुक्त और दूर शिक्षा के अनुकूल विभिन्न माध्यमों के द्वारा शिक्षा और ज्ञान प्रदान करना।
2. अधिकाधिक लोगों और विशेष तौर पर समाज के सुविधावंचित वर्गों को उच्च शिक्षा उपलब्ध कराना।
3. देश में शिक्षा के मानकों को उठाने के लिए मुक्त विश्वविद्यालयों और दूर शिक्षा संस्थाओं को प्रोत्साहित करता, उनका समन्वयन और सहायता करना।

मान्यता — RECOGNITION

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) 1985 में संसद के अधिनियम (1985 का अधिनियम 50) द्वारा स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय है। इग्नू की उपाधियों/डिप्लोमा/प्रमाणपत्र भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के सभी सदस्य संस्थानों द्वारा मान्यता प्राप्त हैं और सभी भारतीय विश्वविद्यालयों, संस्थानों की उपाधियों/डिप्लोमा/प्रमाणपत्रों के समतुल्य हैं।

इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र, सहरसा
REGIONAL CENTRE, SAHARSA

इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र सहरसा की स्थापना जुलाई 2011 में उत्तर बिहार के कोशी क्षेत्र में इग्नू दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के तहत उच्च शिक्षा का प्रसार तथा इस क्षेत्र के कमजोर वर्गों तथा सुविधावंचित समूहों तथा दूर–दराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी शिक्षा का अवसर मिले इस उद्देश्य के साथ हुई। क्षेत्रीय केन्द्र सहरसा बिहार राज्य के चार क्षेत्रीय केन्द्रों में से एक है। इसके क्षेत्राधिकार में आठ जिले हैं– पूर्णियाँ, खगड़िया, मधेपूरा, कटिहार, अररिया, सुपौल, किशनगंज और सहरसा। वर्तमान में क्षेत्रीय केन्द्र सहरसा के अधीन 19 अध्ययन केन्द्र कार्यरत है जिनमें 45 से ज्यादा कार्यक्रम संचालित हो रहे हैं।

इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा यह प्रयास किया जा रहा है कि महिलाओं, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, ग्रामीण आबादी, दूर–दराज के क्षेत्रों, विकलांगों और सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लोगों को इग्नू की दूरस्थ शिक्षा प्रणाली का लाभ मिल सके। अधिकांश शिक्षार्थियों को शिक्षित करने के लिए व उच्च शिक्षा का अवसर प्रदान करने के लिए इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र सहरसा द्वारा कोशिश की जा रही है। गावों एवं दूर दराज के इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए किसी उच्च शिक्षा केंद्र तक पहुंचना आज भी चुनौतीपूर्ण है। विद्यार्थियों के अपने अध्ययन केन्द्र व क्षेत्रीय केन्द्र तक पहुंचने का इंतजार नहीं करते हुए गांव व दूर–दराज के क्षेत्रों में रह रहे विद्यार्थी तक शिक्षा पहुंचाने की कोशिश है व वंचित वर्गों और उपेक्षित वर्गों के विद्यार्थियों को अपने कार्यक्रमों में दाखिल करने के लिए विशेष पहल की जा रही है।

क्षेत्रीय केन्द्र, सहरसा का यह प्रयास है कि इस क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दूरस्थ तथा ग्रामीण इलाकों तक शिक्षा की सुविधा पहुँच सके और इस तहत् अध्ययन केंद्रों के नेटवर्क को जिला स्तर से प्रखंड स्तर तक बढ़ाकर, शिक्षा की पहुंच बढ़ाने की प्रक्रिया में है। प्रखंड ठाकुरगंज (जिला किशनगंज), मुरलीगंज (जिला मधेपुरा) तथा बीरपुर (जिला सुपौल) में विशेष अध्ययन केन्द्र के स्थापना की पहल की गई है। ग्रामीण इलाके के शिक्षण–संस्थाओं में भी शिक्षा के प्रचार–प्रसार हेतु नामांकन पूर्व प्रेरणा सत्र का आयोजन इस दिशा में एक कड़ी है। कोशी प्रमंडल के सभी बंदीगृह में भी विशेष अध्ययन केन्द्र खोलने की कोशिश की जा रही है । जिसकी शुरूआत मंडल कारा सहरसा से की जा चुकी है।

हम अपनी विद्यार्थी सेवाओं को अधिक प्रभावशाली बनाने के कदम के तहत त्वरित आंकड़ा प्रेषण एवं प्राप्ति, सूचना आदान–प्रदान, छात्रों की कठिनाइयों को दूर करने व छात्रों के साथ बेहतर संपर्क का अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में अग्रसर है।

उपलब्धियाँ / ACHIEVEMENTS

शिक्षार्थियों की संख्या में वृद्धि / SIGNIFICANT INCREASE IN ENROLMENT

Enroiment Status							
Year	January Session			July Session			Total
	Fresh	RR	Total	Fresh	RR	Total	
2011	807	220	1027	1669	963	2632	3659
2012	707	463	1170	3377	1556	4933	6103
2013	1152	720	1872	-	-	-	-

नये कार्यक्रमों की शुरूआत / NEW PROGRAMMES ACTIVATED AT LSCS

शिक्षार्थियों की जरूरतों व रूचि को ध्यान में रखते हुए कई नये कार्यक्रमों की शुरूआत की गयी जिनमें ग्राम विकास में स्नातकोत्तर (MARD)] परामर्श एवं परिवार चिकित्सा में स्नातकोत्तर (MSc CFT), विज्ञान में स्नातक (B.Sc), परामर्श एवं परिवार चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDCFT), ग्राम विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDRD), उच्च शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDHE), दर्शन शास्त्र में स्नातकोत्तर (MAPY), विस्तार एवं विकास अध्ययन में स्नातकोत्तर (MAEDS), जल कृषि में डिप्लोमा (DAQ), मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर (MAPC) एवं हिन्दी में स्नातकोत्तर (MHD) शामिल हैं।

नये अध्ययन केन्द्रों की स्थापना / ESTT. OF NEW LSCS

दूर दराज के क्षेत्रों में नये अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की प्रक्रिया शुरू की गई है ताकि अधिकांश विद्यार्थी लाभांवित हो सकें। स्थापना के एक वर्ष में क्षेत्रीय केन्द्र सहरसा के अन्तर्गत चार (04) नए अध्ययन केन्द्रों की स्थापना हुई है जिनमें आर जे महिला कॉलेज, सहरसा (महिलाओं के लिए) और जिला कारागार, सहरसा (जेल कैदियों के लिए) में विशेष अध्ययन केन्द्र , राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, सहरसा में कम्प्यूटर कार्यक्रम के लिए कार्यक्रम अध्ययन केन्द्र तथा एम एच एम कॉलेज, ग्राम सोहा सोनबर्शा प्रखंड (जिला सहरसा) में नियमित अध्ययन केन्द्र शामिल हैं।

गतिविधियां ACTIVITIES

• शैक्षणिक कार्यशाला का आयोजन ORIENTATION PROGRAMME OF ACADEMIC COUNSELLORS

इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र, सहरसा द्वारा अध्ययन केन्द्र से जुडे शैक्षणिक परामर्शदाताओं (एकेडमिक कांउनसेलर) के लिए दो दिवसीय शैक्षणिक कार्यशाला 20–21 अक्टूबर को सहरसा के कला भवन में आयोजित किया गया। सहरसा के प्रमंडलीय आयुक्त श्री विमलानंद झा ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर इग्नू के विभिन्न अध्ययन केन्द्रों से आए शैक्षणिक परामर्शदाता तथा प्रमंडल के अंतर्गत आने वाले महाविद्यालय के प्रचार्य मौजूद थे। इस कार्यक्रम में इग्नू अध्ययन केन्द्रों से जुडे. विभिन्न पहलूओं पर जानकारी दी गयी। इग्नू मुख्यालय के क्षेत्रीय सेवा प्रभाग (RSD) से इस शैक्षणिक कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन के तौर पर डॉ0 मंजुला सक्सेना व स्ट्राइड (STRIDE) से प्रो0 पी0 के0 विश्वास ने भाग लिया । मुख्यालय से आए अतिथि तथा क्षेत्रीय केन्द्र से क्षेत्रीय निदेशक और सहायक क्षेत्रीय निदेशक ने शैक्षणिक व्याख्यान के दौरान परामर्शदाताओं को विद्यार्थी से जुडे सभी पहलूओं पर जानकारी दी ।

मुख्य अतिथि, आयुक्त श्री विमलानंद झा ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। ▲

व्याख्यान देते हुए इग्नू मुख्यालय व क्षेत्रीय केन्द्र के रिसोर्स पर्सन ▲

कार्यक्रम के समापन में सभी प्रतिभागियों के साथ समूह फोटोग्राफ ◀

• प्रेरणा सत्र /परामर्श अधिवेशन का आयोजन

इग्नू अध्ययन केन्द्र (46009P) मिल्लिया फाखरूद्दिन अली अहमद, बी0 एड0 टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, पूर्णियॉ में बी0 एड0 छात्राध्यापकों का परामर्श अधिवेशन 25 अप्रैल 2012 को आयोजित किया गया जिसमें छात्राध्यापकों को कार्यक्रम से जुड़ी सभी पहलुओं की जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय निदशक और सहायक क्षेत्रीय निदेशक ने भाग लिया।

बी0 एड0 शिक्षार्थियों का 46009P पूर्णियॉ में प्रेरणा सत्र का आयोजन

इग्नू विशेष अध्ययन केन्द्र (46008D) कोशी क्षेत्रीय विकलांग कल्याण समिति सहरसा में निशक्त बच्चों की शिक्षा का आधार पाठ्यक्रम (एफ. सी. ई. डी) के शिक्षार्थियों के लिए 2 अक्टूबर से 14 अक्टूबर 2012 तक कार्यशाला का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय निदेशक डॉ. पूनम कुमारी सिंह ने इस अवसर पर शिक्षार्थियों तथा परामर्शदाताओं से इस कार्यक्रम की उपयोगिता तथा निशक्त बच्चों को इससे होने वाले लाभ के बारे में विचार–विमर्श किया।

शिक्षार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि निशक्तता के बावजूद पर्याप्त सीखने की संभावना हर बच्चे में होती है। शिक्षक होने के नाते आपका दायित्व है कि आप उन्हें अपने तक आने दें व

विकलांगो के विशेष अध्ययन केन्द्र (46008D) में शिक्षार्थियों के कार्यशाला के दौरान परिचर्चा

उनकी समस्याओं व अधिगम आवश्यकताओं की चर्चा करें। जरूरत है प्रत्येक बच्चे कि व्यक्तिगत अधिगम को प्रभावित करने वाले सभी कारकों पर आपको विशेष ध्यान देने की जिससे कि उनके साथ अनुकूलन व संयोजन कर सकें।

दीपालय इंस्टीच्यूट (मानसिक स्वास्थ्य एवं पुर्नवास संस्थान) पूर्णिया में **इग्नू विशेष अध्ययन केन्द्र (46010D)** में 29 अक्टूबर 2012 को क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 पूनम कु0 सिंह ने शिक्षुओं के लिए निर्देशन एवं उन्मुखीकरण कार्याशाला का विधिवत उदघाटन किया। इस मौके पर विशेष अध्ययन केन्द्र, के डायरेक्टर डॉ0 ए0 के0 रमण तथा इस संस्थान के सभी प्रशिक्षक मौजूद थे । क्षेत्रीय निदेशक ने इस प्रोग्राम की अहमियत देते हुए सभी शिक्षार्थियों का स्वागत किया। उन्होंने शिक्षार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि बी0 एड0 विशेष शिक्षा (मानसिक विकलांगता) कार्यक्रम में आप यह सीख पाएंगें कि मानसिक विकलांग व्यक्ति को बेहतर व स्वावलंबी जीवन जीने में सक्षम करने हेतु उन्हें दैनिक जीवन कौशल, कार्यपरक शैक्षिक कौशल, अनुकूलन व प्रौद्योगिकी की शिक्षा किस प्रकार दी जाए ।

बी0 एड0 विशेष शिक्षा (मानसिक विकलांगता) के शिक्षार्थियों का अध्ययन केन्द्र 46010D पूर्णिया में प्रेरणा सत्र का आयोजन

• समन्वयक सम्मेलन

COORDINATOR'S MEET

23 जनवरी 2013 के क्षेत्रीय केन्द्र सहरसा के अंतर्गत आने वाले इग्नू के सभी अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों के साथ बैठक में बेहतर शिक्षार्थी सेवाएँ, नामांकन में वृद्धि व इग्नू के कार्यक्रमों का कोशी क्षेत्र में प्रचार–प्रसार के उपर विस्तार से चर्चा की गयी।

मुख्य अतिथि के तौर पर प्रो0 ए0 के0 सिन्हा, डीन व प्रभारी कुलपति, बी0 एन0 मंडल वि ववियालय मधेपुरा ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

इस अवसर पर क्षेत्रीय सेवा प्रभाग के रिसोर्स पर्सन के तौर पर डा0 क्यू0 हैदर, क्षेत्रीय निदेशक, इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र पटना भी उपस्थित थे।

• नये अध्ययन केन्द्रों का उद्घाटन

INAUGURATION OF NEW LSCs

आर जे एम कॉलेज, सहरसा (86003D)

राजकीय पॉलिटेकनिक संस्थान (86002P)

एम एच एम कॉलेज सोनवर्षा (86004)

• नामांकन पूर्व परामर्श सत्र का आयोजन

PRE ADMISSION COUNSELLING

ग्रामीण व दूर–दराज क्षेत्रों के शिक्षार्थियों के लिए नामांकन पूर्व परामर्श सत्र का आयोजन पंचगछिया तथा सोहा गांवों में किया गया जिसमें वहां के लोगों को इग्नू के सभी कार्यक्रमों की जानकारी दी गयी तथा इग्नू के दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के तहत पढने के लिए प्रेरित किया गया ।

इग्नू अध्ययन केन्द्र (0560B) टी पी कॉलेज मधेपुरा में 13 जनवरी, 2013 को आयोजित प्ररेणासत्र में करीब चार सौ शिक्षार्थियों ने भाग लिया। क्षेत्रीय निदेशक ने शिक्षार्थियों को इग्नू की दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के तहत इग्नू के उच्च शिक्षा कार्यक्रमों का लाभ उठाने को प्रेरित किया। **अध्ययन केन्द्र (0555) एम एल टी कॉलेज सहरसा** में आयोजित प्रेरणा सत्र में दो सौ शिक्षार्थियों ने भाग लिया।

नये अध्ययन केन्द्र खोलने हेतु विभिन्न संस्थाओं का निरीक्षण

VISIT TO INSTITUTE

जिला कारागार सहरसा में विशेष अध्ययन केन्द्र खोलने हेतु क्षेत्रीय केन्द्र से पहल की गयी । जेल अधीक्षक एडीएम श्री एस. एन. मंडल ने 19 मई 2012 को क्षेत्रीय केन्द्र के पदाधिकारियों के साथ जेल परिसर में एक बैठक का आयोजन किया जिसमें जेल कैदियों ने भी भाग लिया । इस बैठक में बंदियों को इग्नू के कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और बंदियों को अध्ययन के लिए प्रेरित किया गया ।

जिला कारागार सहरसा में बंदियों के साथ बैठक का आयोजन

के. पी. कॉलेज मुरलीगंज (प्रखंड मुरलीगंज जिला मधेपुरा) में अध्ययन केन्द्र खोलने हेतु क्षेत्रीय निदेशक ने महाविद्यालय के प्राचार्य व अन्य वरिष्ठ प्राध्यापकों के साथ विचार–विमर्श किया और उस क्षेत्र के लोगों के लिए अध्ययन केन्द्र खोलने की जरूरत बताई। उन्होंने बताया कि प्रत्यक्ष कारणों से निश्चित तौर पर दूरस्थ माध्यम से दी जाने वाली शिक्षा फेस–टू–फेस (नियमित) शिक्षा की तुलना में किफायती होती है, इसके अतिरिक्त, शैक्षिक योग्यता हासिल करने के लिए अध्ययन के दौरान भी विद्यार्थी आर्थिक रूप से उपयोगी बने रह सकते हैं।

गवरनमेंट पॉलिटेकनिक संस्था सहरसा में कंप्यूटर संबंधित कार्यक्रम के लिए अध्ययन केन्द्र खोलने हेतु क्षेत्रीय निदेशक ने संस्थान के प्राचार्य व वरिष्ठ प्राध्यापकों के साथ एक बैठक की तथा रोजगार की दिशा में इस कार्यक्रम को महत्त्वपूर्ण बताया।

कृषि व बागवानी संबंधित कार्यक्रम की शुरूआत करने के उद्देश्य से कृषि महाविद्यालय अगुवानपुर में वहां के प्राचार्य व वरिष्ठ प्राध्यापकों के साथ एक बैठक की गयी । इस बैठक में क्षेत्रीय निदशक ने इग्नू की कृषि व्यवसाय मूलक शिक्षा की चर्चा की। इस संदर्भ में कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एम. एल. चौधरी ने भी अपनी सहमति जताई ।

ग्रामीण और दूरदराज के शिक्षार्थियों के लिए **ठाकुरगंज प्रखंड (जिला किशनगंज) के एम. एच. ए. एन (MHAN) महाविद्यालय** में क्षेत्रीय निदेशक ने अध्ययन केन्द्र खोलने हेतु निरिक्षण किया और प्राचार्य व प्राध्यापकों के साथ बैठक की। उक्त महाविद्यालय में अध्ययन केन्द्र खोलने की जरूरत बताई। क्षेत्रीय केन्द्र सहरसा के अंतर्गत आनेवाले अध्ययन केन्द्रों में प्रस्तावित ठाकुरगंज अध्ययन केन्द्र सबसे सुदूर का अध्ययन केन्द्र होगा ।

ठाकुरगंज प्रखंड में प्रस्तावित अध्ययन केन्द्र के लिए क्षेत्रीय निदेशक का प्राचार्य के साथ विचार-विमर्श ।

• विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून, 2012

क्षेत्रीय केन्द्र, सहरसा में विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया गया। इस अवसर पर एक सभा का आयोजन किया गया जिसमें एम0 एल0 टी0 कॉलेज के प्राचार्य व कॉलेज के वरिष्ठ प्राध्यापक भी सम्मिलित हुए। इस मौके पर कॉलेज परिसर मे वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

• पृथ्वी दिवस 22 अप्रैल 2012

इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र सहरसा में 22 अप्रैल 2012 को पृथ्वी दिवस (Earth Day) मनाया गया। इस मौके पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्रीय केन्द्र के सभी लोगों ने भाग लिया । क्षेत्रीय निदेशक ने पृथ्वी और वातावरण के संरक्षण के बारे में विस्तार से चर्चा की ।

• राजभाषा हिन्दी दिवस 14 सितम्बर 2012

राजभाषा हिन्दी दिवस 14 सितम्बर 2012 को इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र मे मनाया गया। इस मौके पर क्षेत्रीय निदेशक , सहायक क्षेत्रीय निदेशक तथा क्षेत्रीय केन्द्र के स्टॉफ ने हिन्दी भाषा की विशेषता पर प्रकाश डाला। अपने कार्यालय में हिन्दी भाषा पर काम करने के लिए सभी स्टॉफ को क्षेत्रीय निदेशक महोदया ने प्रेरित किया।

• विश्व विकलांग दिवस 3 दिसम्बर 2012

इग्नू अध्ययन केन्द्र (46008D) कोशी क्षेत्रीय विकलांग सहायता समिति द्वारा विश्व विकलांग दिवस 3 दिसम्बर 2012 को मनाया गया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए क्षेत्रीय निदेशक ने विकलांग वर्ग के लोगों को समाज का अभिन्न अंग बताया तथा उन वर्गों को कमजोर ना होने का पूरा हौसला दिया। विश्व विकलांगता दिवस का आयोजन विकलांगता से जुडे मसलों की समझ बढ़ाने एवं विकलांगों के समान अधिकारों एवं बेहतरी के लिए जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया ।

क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 पूनम कु0 सिंह ने बिहार सरकार का उपक्रम रेशम कीट शहतूत प्रशिक्षण केन्द्र, सहरसा द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में 18 जुलाई 2012 को विशेषज्ञ के तौर पर भाग लिया। उन्होंने शिक्षार्थियों को रेशम पालन संबंधित तकनीक को विस्तार से बताया और शहतूत की खेती का जायजा भी लिया ।

◀ रेशम कीट शहतूत प्रशिक्षण केन्द्र के वैज्ञानिक व प्रशिक्षणार्थीयों के साथ चर्चा

Catalytic Activity of Assignments in Distance Learning System in IGNOU

TVRK Rao, Coordinator, SC 0508 Purnea

Indira Gandhi National Open University (IGNOU) is a Giga University of the world with its modus operandi being spread over several developing and developed nations. IGNOU, in fact, is a boon for billions of such aspirants of higher education, who, due to several socio-economic factors got deprived from access to the formal system of higher education. Imparting quality education through a non-formal (distance) mode is a tough nut to crack. However, ever since the dawn of its inception, IGNOU had been able to impart a high quality education to its learners. Several factors, such as, efficient administrators, expert faculty, streamlined work culture and continuous evaluation through assignments might have been responsible behind this achievement. The most important factor in quality assurance in IGNOU is perhaps its process of continuous evaluation of the learner through the assignment component.

Assignments in IGNOU are a compulsory component. To start with, it had introduced three assignments (Two tutor marked & one computer marked) per course. This exercise of three assignments, perhaps proved cumbersom in handling for both, the learners as well as the authorities. Finally, from the year 2007, IGNOU resorted to one tutor marked assignment per course system in most of its programmes. Assignments in IGNOU form an integral part of student's assessment. Assignments are well structured question papers, encompassing the entire syllabus of the particular course in question. The assignment question paper requires a thorough study of the subject matter covered by the relevant blocks of SLM (Self Learning Materials)the course. This makes the learner well prepared before the actual term end examinations. Grades received and comments made by the evaluators concerning the assignment, alerts the student well in advance about his shortcommings. The learner then plans his preparation for the Term End Examinations. In a better way. Assignments, infact, are a forwarner for learners help him/her to make a better self assessment, well ahead of the examinations. The learners, based on their assignment performance, assess themselves and decide whether their should appear or not in the particular course in the ensuing examination. Doing an assignment also gives an opportunity to the learner to gradually build up a thorough knowledge of the subject. Assignments in IGNOU safeguards the learners from hasty preparation for examinations and related examination fear psychosis. Thus, the assignment helps the student a quality-assured and burden-free approach toward examinations.

To sum up, one can say that the vista of assignments in IGNOU has contributed a catalytic activity in leading towards a quality assured and streamlined growth of higher education among its learners.

Grievances Redress in ODL

MNA Baig, ARD, RC Saharsa

The learners' grievances refer to the complain of an individual learner, arising due to wrong or delayed actions/decisions by the university functionaries. This at times l lead to discontent and may give rise to a feeling that there has been infringement in his/her rights.

The redress of grievances is essentially solving academic and administrative problems faced by the learner through co-ordination between different departments/sections of the university. Sometimes it is required to deal with the situations in a tactful manner to lessen the feeling of curtailment of rights/options.

Learner' grievances - RC Saharsa: Following data in respect to learner' grievance has been compiled for the period January 2012 -September 2012.

SNo.	Nature of Grievances	No. of Grievances	SNo.	Nature of Grievances	No. of Grievances
1	CHANGE OF ELECTIVE	80	6	CHANGE OF RC (TRANSFER OUT)	7
2	NAME OF CORRECTION	11	7	CHANGE OF RC (TRANSFER IN)	17
3	F NAME CORRECTION	5	8	PENDING STUDY MATERIAL	233
4	ADDRESS CORRECTION	32	9	PENDING ASSIGNMENT AWARDS	450
5	CHANGE OF SC/PSC	32			

From the analysis of the above data it is evident that pending SIM and Pending update of TMA awards constitute approximately 80% of the total grievances.

The grievances like correction in names & address, change of elective, change of RC etc. are relatively low and appropriate changes are carried out at RC using on line IGNOU Student Management System.

Student Evaluation Division at IGNOU head quarter updates/uploads the assignment marks/grades as it is part of over all performance grade/ result of the learners. The MPDD has been entrusted with the responsibility for sending the study material to the regional centres, which in turn distributes the same among the learners through the LSCs or/and directly from the RC. From operational standpoint, these two types of grievances are linked to the divisions at headquarter and logistic issues of time and distance are major bottlenecks in disposal of these grievances . A gradual decentralization of work, a better planning and follow up mechanism at all levels is constantly worked out to help minimize such grievances effectively.

Effective learner' grievances redress mechanism is essential to promote and maintain a conducive and unprejudiced educational environment. It is a measure to develop responsive and accountable attitude among university officials. IGNOU gives utmost importance to fast redress of learners' grievances.

FEEDBACK

सेवा में,
क्षेत्रीय निदेशक, सहरसा
महोदया,

मैं इग्नू अध्ययन केन्द्र 0508 की छात्रा हूँ। इग्नू में अध्ययनरत रहते हुए मैंने बैंक प्रोवेशनरी प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की। वर्तमान में मैं बैंक ऑफ इंडिया, पूर्णियाँ शाखा में सहायक मैनेजर के पद पर कार्यरत हूँ। इस सफलता का श्रेय मैं इग्नू अध्ययन–अध्यापन व्यवस्था, पाठ्य–सामग्री को देना चाहती हूँ। इग्नू की अध्ययन सामग्री प्रतियोगियों की दृष्टि से काफी महत्त्वपूर्ण है। जिसने हमें सफलता का मार्ग प्रशस्त किया। साथ–साथ मैं समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर कर रही हूँ।

आपकी विश्वासी
मनीषा प्रसाद
MSO-105044879

सेवा में,
क्षेत्रीय निदेशक, सहरसा
महाशया,

मैं इग्नू अध्ययन केन्द्र 0508 (पूर्णियाँ कॉलेज, पूर्णियाँ) का छात्र हूँ। इग्नू के अध्ययनोपरांत मैंने **S.B.I.** की परीक्षा उत्तीर्ण की। मैं अपनी इस सफलता का श्रेय ईश्वर, माता–पिता, गुरूजनों के साथ–साथ इग्नू को देता हूँ। क्योंकि इग्नू में अध्ययन के साथ–साथ कमपीटीशन की तैयारी पर भी पर्याप्त ध्यान दे पाया। इग्नू की अध्ययन सामग्री काफी तथ्यपूर्ण एवं सरल होने के कारण मौखिक परीक्षा की तैयारी में काफी मदद मिली। मैं अपनी सफलता का श्रेय यहाँ के उचित परामर्श एवं मार्गदर्शन को देता हूँ।

सधन्यवाद

आपका विश्वासभाजक
संजीव कुमार सरोज
BDP-054468771

सेवा में
क्षेत्रीय निदेशक, महोदया एवं सहायक क्षेत्रीय निदेशक महोदय
क्षेत्रीय कार्यालय, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, सहरसा,
विषय:- BEDSE(MR) के Online Marks Sheet एवं Provisional Certificate प्राप्त करने के सम्बन्ध में
[illegible]

महाशया/महाशय,
बड़ी प्रसन्नताओं के साथ कहना पड़ रहा है कि मैं मनोज कुमार गुप्ता Enrolment No - 105260066 ने BEDSE(MR) सत्र 2010-12 के लिए Regional Centre Darbhanga में अपना नामांकन करवाया था किन्तु कुछ जानकारियों के अभाव में मैं अपने Entrance Exam के दौरान आवेदन में गलत Course Code को अंकित कर दिया था। जिसके लिए Regional Centre Darbhanga को भी कई आवेदन के द्वारा सुधार हेतु [illegible] किया था लेकिन मुझे निराशा होना पड़ा था। अंत में अपने क्षेत्रीय कार्यालय के निदेशक महोदया, सहायक निदेशक महोदय को [illegible] [illegible] करता हूँ जिनके [illegible] प्रयास [illegible] को मुझे [illegible] [illegible] प्रमाण पत्र [illegible] मिल गई है।
अन्त में मैं उनके दीर्घ जीवन के लिए ईश्वर से यही प्रार्थना करता हूँ। [illegible]

विश्वास भाजन
मनोज कुमार गुप्ता
Enrolment No - 105260066
Programme - BEDSE(MR)
Study Centre - 46010D.
Session - 2010-12

तिथि — 04-01-2013

[illegible]

सेवा में,
क्षेत्रीय निदेशक
सहरसा
महाशया,

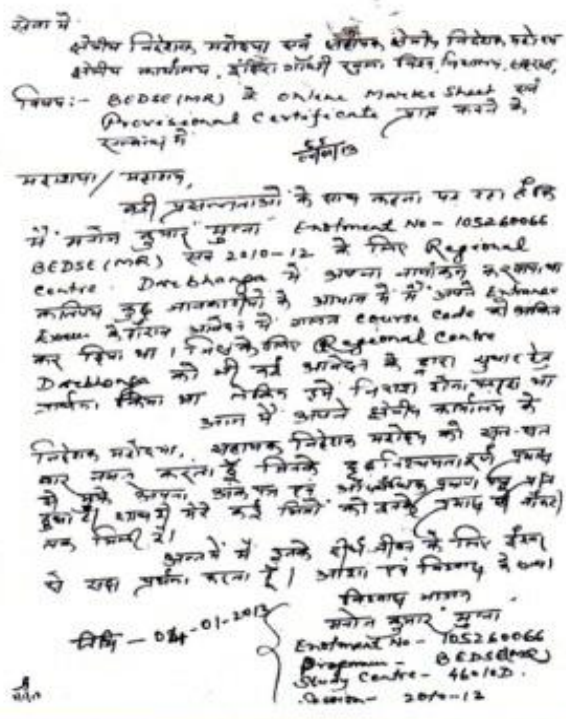

क्षेत्रिय केन्द्र सहरसा खुलने से पूर्व मैं दरभंगा से अध्ययन कर रही थी। भूल से मैं गलत कोर्स कोड चुन ली। जिसमें सुधार के लिए मैं दरभंगा से कई बार प्रयास की। किन्तु सफलता न मिलने से मेरा विश्वास इग्नू पर से उठ गया।

क्षेत्रिय केन्द्र, सहरसा खुलने के एक माह पश्चात् ही हमारा परिणाम आ गया, एवं तत्कालिक क्षेत्रीय निदेशक के उच्च मार्गदर्शन के कारण मैं अभी एम.ए. में अध्ययन कर रही हूँ। इस कार्यालय के कर्मचारियों का सौहार्द्रपूर्ण सहयोग मिला तथा उनमें मुझे काफी कर्त्तव्यनिष्ठ की भावना दिखी। आज मैं नौकरी करने के साथ–साथ घर की जिम्मेदारी निभाते हुए पढ़ाई कर रही हूँ।

धन्यवाद

आपकी विश्वासी
संजू कुमारी
BDP-0855554620
MSO-127089233

THANKS LETTER

vijay anand <vijay007speak@gmail.com> 3 January 2013 11:25
To: rcsaharsa@ignou.ac.in
Dear Sir / Madam ,

I am very grateful to you for your kind cooperation in completion of my BDP course.

I shall ever remain obliged to you all for posting of my assignment marks and readmission
in the BDP course.

I hope the same cooperation will continue in my persuation of M.A. also.

Faithfully Your's
VIJAY ANAND
En.No- 042034033

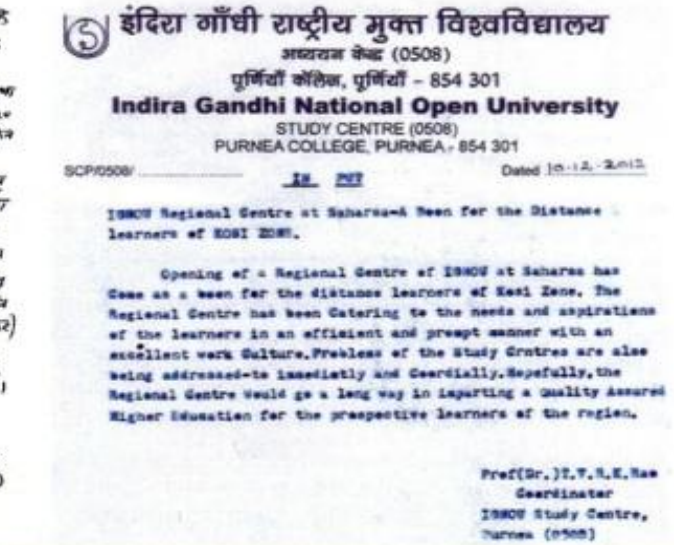

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
अध्ययन केन्द्र (0508)
पूर्णियाँ कॉलेज, पूर्णियाँ – 854 301
Indira Gandhi National Open University
STUDY CENTRE (0508)
PURNEA COLLEGE, PURNEA - 854 301

SCP/0508/ .... 18 PUT Dated 10-12-2013

IGNOU Regional Centre at Saharsa-A Boon for the Distance learners of KOSI ZONE.

Opening of a Regional Centre of IGNOU at Saharsa has Come as a boon for the distance learners of Kosi Zone. The Regional Centre has been Catering to the needs and aspirations of the learners in an efficient and prompt manner with an excellent work Culture. Problems of the Study Centres are also being addressed-to immediatly and Coordially. Hopefully, the Regional Centre would go a long way in imparting a Quality Assured Higher Education for the prospective learners of the region.

Prof(Dr.)T.V.R.K.Rao
Coordinator
IGNOU Study Centre,
Purnea (0508)

FREQUENTLY ASKED QUESTION (FAQ)

प्रश्न 1. इग्नू अन्य विश्वविद्यालयों से अलग कैसे है?

उत्तर – इग्नू दूरस्थ शिक्षा प्रणाली (ODL) System द्वारा उच्च शिक्षा के कार्यक्रम चलाता है। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के लिए व्यापक स्तर पर शैक्षिक, व्यावसायिक और तकनीकी कार्यक्रम प्रदान कर रहा है, जिनमें सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री, स्नातकोत्तर उपाधि और शोध उपाधि के कार्यक्रम शामिल हैं। आपको इसके लिए नियमित रूप से कॉलेज/विश्वविद्यालय कैम्पस में क्लास करने की आवश्यकता नहीं होती है। ये कार्यक्रम विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुसार उनके आगे के अध्ययन, रोजगार, तकनीकी ज्ञान की वृद्धि तथा व्यावसायिक जानकारी के संवर्धन में मुख्य भूमिका निभाते हैं। हमारे सभी कार्यक्रमों को कार्पोरेट और व्यावसायिक क्षेत्रों में पर्याप्त स्वीकृति मिल रही है।

(विस्तृत जानकारी क्षेत्रीय केन्द्र/इग्नू वेबसाइट से ली जा सकती हैं। www.ignou.ac.in/www.rcsaharsa.ignou.ac.in)

प्रश्न 2. मैं दसवी या बारहवी कक्षा पास नहीं हूँ क्या मैं इग्नू से स्नातक की उपाधि ले सकता/ सकती हूँ?

उत्तर – जी हाँ इग्नू में बिना मैट्रिक, इंटर किए हुए छः माह के स्नातक उपाधि प्रारंभिक पाठ्यक्रम (BPP) करने के पश्चात स्नातक उपाधि कार्यक्रम जैसे BA, BCom तथा कई Diploma और Certificate कार्यक्रम में नामांकन ले सकते हैं। जिसके लिए न्यूनतम उम्र सीमा 18 वर्ष होनी चाहिए।

प्रश्न 3. इग्नू का परीक्षा केन्द्र कहाँ होता है?

उत्तर – इग्नू के परीक्षार्थी सम्पूर्ण भारतवर्ष में कहीं भी परीक्षा दे सकते हैं। इसके लिए छात्र को परीक्षा फार्म संबंधित परीक्षा केन्द्र के क्षेत्रीय केन्द्र में जमा करना है। डिमांड ड्राट भी उसी क्षेत्रीय केन्द्र के भाहर में देय होगा।

प्रश्न 4. क्या इग्नू के विद्यार्थियों को सीटों में कोई आरक्षण की सुविधा उपलब्ध है?

उत्तर – विश्वविद्यालय भारत सरकार के नियमों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ी जातियों के कमजोर वर्ग, युद्ध विधवा, कश्मीरी प्रवासी और शारीरिक रूप से विकलांग विद्यार्थियों के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों में सीटों के आरक्षण की सुविधा प्रदान करता है। यह सुविधा मुख्यतः उन कार्यक्रमों में होती है जिनमें सीटों की संख्या सीमित है।

प्रश्न 5. क्या किसी कार्यक्रम में नामांकन लेने के पश्चात यदि हम वह कार्यक्रम नहीं करना चाहते हैं तो शुल्क की वापसी हो सकती है?

उत्तर – एक बार जमा किया गया शुल्क किसी भी परिस्थिति में वापस नहीं किया जाएगा। इसे विश्वविद्यालय के किसी अन्य कार्यक्रम के साथ भी समायोजित नहीं किया जाएगा।

प्रश्न 6. क्या इग्नू के किसी कार्यक्रम में शुल्क में रियायत भी है?

उत्तर – इग्नू स्नातकोत्तर प्रमाण पत्र, स्नातकोत्तर डिप्लोमा और पीएचडी कार्यक्रमों के लिए शुल्क में कोई रियायत नहीं है। पीजी प्रमाण पत्र, पीजी डिप्लोमा और पीएचडी कार्यक्रमों के अलावा कृषि डिप्लोमा एवं प्रमाण पत्र कार्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी निम्नलिखित मानदंड के अनुसार शुल्क में रियायत के पात्र होंगे:

(क) ग्रामीण क्षेत्रों के सभी अभ्यर्थी अधिवास प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर 50 शुल्क माफी के पात्र होंगे।

(ख) गरीबी रेखा के नीचे रह रहे भाहरी विद्यार्थी आय प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर 50 शुल्क में रियायत के पात्र होंगे।

प्रश्न 7. माध्यम में परिवर्तन के लिए हम क्या करेंगे?

उत्तर – माध्यम में परिवर्तन छात्र–छात्राएँ पाठ्यसामग्री के पहले सेट की प्राप्ति के 30 दिनों के अंदर कर सकते हैं। इसके लिए क्षेत्रीय केन्द्र के पक्ष में देय डिमांड ड्राट संलग्न करेंगें। जिसके शुल्क का विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट अथवा क्षेत्रीय केन्द्र से प्राप्त किया जा सकता है। इसी प्रकार ऐच्छिक विषयों तथा स्नातक/स्नातकोत्तर कार्यक्रमों को बदलने का प्रावधान भी है।

प्रश्न 8. क्या इग्नू में अध्ययनरत शिक्षार्थियों के लिए छात्रवृत्ति की सुविधा है?

उत्तर – वैसे शिक्षार्थी जो आरक्षित श्रेणी के अन्तर्गत आते हैं जैसे अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अत्यंत पिछड़ा वर्ग एवं विकलांग श्रेणी के विद्यार्थियों को राज्य सरकार के समाज कल्याण निदेशालय या समाजकल्याण कार्यालय द्वारा छात्रवृत्ति दी जाती है।

संबंधित छात्र आवेदन पत्र क्षेत्रीय केन्द्र पर जमा करेंगे जहाँ से इसे संबंधित कार्यालय को छात्रवृत्ति के लिए अग्रसारित किया जाता है।

प्रश्न 9. द्वितीयक (Duplicate) विद्यार्थी कार्ड बनाने के लिए क्या करना होगा?

उत्तर – द्वितीयक विद्यार्थी कार्ड बनाने के लिए सर्वप्रथम पहचान पत्र खोने की प्राथमिकी दर्ज कराना होगा। उसके बाद 100 रू0 का डिमांड ड्राट क्षेत्रीय केन्द्र के नाम से देना होगा और साथ में कोई एक पहचान संबंधी दस्तावेज का फोटो कॉपी आवेदन के साथ संलग्न करने पर द्वितीयक विद्यार्थी कार्ड बनाया जाता है।

प्रश्न 10. इग्नू में परीक्षा कब होती हैं और फार्म भरने का समय कब तक है?

उत्तर – इग्नू हर वर्ष जून और दिसंबर माह में सभी कार्यक्रमों/पाठ्यक्रमों की परीक्षा आयोजित करता है। सत्रांत परीक्षा जून के लिए 1 मार्च से तथा सत्रांत परीक्षा दिसंबर के लिए 1 सितंबर से फार्म अनिवार्य शुल्क के साथ क्षेत्रीय केन्द्र में जमा कर सकते है।

प्रश्न 11. अपने सत्रांत परीक्षा के परिणाम से संतुष्ट न होने की स्थिति में क्या इग्नू में पुनः मुल्यांकन की सुविधा उपलब्ध है? यदि हाँ तो इसके लिए आवेदन कितने दिनों के अन्दर करना होता है?

उत्तर – जी हां, यह सुविधा इग्नू में उपलब्ध है। पुनः मुल्यांकन के लिए परिणाम प्रकाशित होने के 30 दिनों के अंदर आवेदन किया जा सकता है और आवेदन पुनः मुल्यांकन परिपत्र में भरकर संबंधित विद्यार्थी मुल्यांकन केन्द्र को भेंजे। जिसके लिए निर्धारित शुल्क की जानकारी वेबसाइट अथवा क्षेत्रीय केन्द्र से प्राप्त कर सकते हैं।

प्रश्न 12. नामांकन की अधिकतम अवधि समाप्त होने के बाद भी अगर कोई विषय / पाठ्यक्रम अपूर्ण रह जाता है तो उस स्थिति में क्या किया जा सकता है?

उत्तर – नामांकन की अधिकतम अवधि समाप्त होने के पश्चात अपूर्ण रह गये विषय के लिए नये सिरे से पुनः नामांकन कराने का प्रावधान है। जिसके लिए छात्र को पुनः नामांकन हेतु आवेदन निर्धारित शुल्क (डिमांड ड्राट के रूप में जो नई दिल्ली में देय हो) के साथ विद्यार्थी मुल्यांकन प्रभाग, इग्नू नई दिल्ली को भेजेंगे।

प्रश्न 13. नामांकन कब होता है? तथा इग्नू का शैक्षणिक सत्र क्या है?

उत्तर – इग्नू में नामांकन सालों भर होता है। परन्तु शैक्षणिक सत्र दो हैं। जनवरी सत्र तथा जुलाई सत्र। एक सत्र में अंतिम तिथि समाप्त होने के पश्चात दूसरे सत्र के लिए नामांकन प्रारंभ हो जाता है। इस संदर्भ में राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय / प्रांतीय अखबारों में नामांकन विज्ञापन भी प्रकाशित होता है। अधिकतम जानकारी नजदीकी क्षेत्रीय केन्द्र अथवा इग्नू की वेबसाइट से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

प्रश्न 14. क्या इग्नू में नामांकन के बाद अध्ययन केन्द्र तथा क्षेत्रीय केन्द्र के स्थानान्तरण का प्रावधान है?

उत्तर – जी हां, क्षेत्रीय केन्द्र के अधीन अध्ययन केन्द्रों में स्थानान्तरण का प्रावधान है बशर्ते कि संबंधित कार्यक्रम वहाँ उपलब्ध हैं। उसी प्रकार समुचे देश में क्षेत्रीय केन्द्र का भी तबादला हो सकता है। जिसके लिए आवेदन उस क्षेत्रीय केन्द्र को देंगे जहाँ छात्र पंजीकृत हैं। यदि विद्यार्थी उन कार्यक्रमों में पंजीकृत हैं जिनमें प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम हों अथवा उनमें सीटों की संख्या सीमित हो ऐसी स्थिति में छात्रों को प्रस्तावित क्षेत्रीय केन्द्र से अपने स्थानान्तरण हेतु NOC लेकर जमा करना है। साथ में विद्यार्थी पहचान पत्र की कॉपी भी लगायें।

प्रश्न 15. क्या इग्नू में अध्ययन कक्षाएँ करना अनिवार्य है?

उत्तर – जी नहीं, इग्नू के विद्यार्थियों के लिए अध्ययन कक्षाओं की व्यवस्था नहीं की गई है। किन्तु परामर्श कक्षाओं की व्यवस्था अध्ययन केन्द्रों पर होती है। जिसमें शिक्षार्थी अपनी पाठ्य समस्याओं का निराकरण कर सकते हैं। ये परामर्श कक्षाएं विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य नहीं है किन्तु प्रयोगात्मक विषयों की कक्षाएं अनिवार्य होती है।

प्रश्न 16. क्या इग्नू की डिग्री अन्य विश्वविद्यालियों के समतुल्य होती है?

उत्तर – जी हाँ, इग्नू की स्थापना संसद के अधिनियम 1985 के अन्तर्गत केन्द्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के रूप में की गई थी। जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 22(1) के तहत उपाधियाँ प्रदान करने का अधिकार देती है। इग्नू की सभी उपाधियाँ / डिप्लोमा / प्रमाणपत्र भारतीय विश्वविद्यालय संघ के सभी सदस्यों द्वारा मान्य हैं और यू. जी. सी. के परिपत्र सं. एफ– 1–52 / 2000 (CCP-II) दिनांक 5 मई, 2004 और ए. आई यू. परिपत्र सं. ई वी / 11(449 / 94) 176915 – 177115 तारीख 14 जनवरी 1994 तथा AICTE सर्कुलर सं. AICTE / एकेडमिक / एम. ओ. यू. / 2005 दिनांक मई 13, 2005 के अनुसार सभी भारतीय विश्वविद्यालयों / संस्थाओं की उपाधियों / डिप्लोमा / प्रमाण पत्रों के समतुल्य है।

प्रश्न 17. क्या इग्नू के परीक्षाफल की शीघ्र घोषणा की व्यवस्था है?

उत्तर – हाँ, छात्र सत्रांत परीक्षाफल की शीघ्र घोषणा के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए नियत शुल्क का डिमांड ड्राट आवेदन पत्र के साथ इग्नू, नई दिल्ली संबंधित प्रभाग को भेजना है। परीक्षाफल की शीघ्र घोषणा के लिए केवल वैसे परीक्षार्थी पात्र हैं जिनकी किसी पद पर नियुक्ति हो गई है या कहीं उच्च शिक्षा के लिए आवेदन दिया है और उसके लिए अंकपत्र / प्रमाणपत्र की शीघ्र आवश्यकता है। इसके लिए दस्तावेजों साक्ष्य आवेदन पत्र के साथ लगाना अनिवार्य है।

"Everything can be sacrificed for truth, but truth cannot be sacrificed for anything"

- Swami Vivekanand

ignou
THE PEOPLE'S UNIVERSITY

अध्ययन केन्द्र : एक नजर में — LSCs AT A GLANCE

S.No.	STUDY CENTRE	Year of Estt.	Coordinators/ Prog. In-Charge	Contact No. /Fax No.
1	IGNOU Study Centre 508 Purnea College, Purnea-854301	1992	Dr. T.V.R.K.Rao	8804588259 06454-225742
2	IGNOU Study entre0555 M.L.T. College,Saharsa-852201	2003	Dr. S.K. Singh	9430585580 06478-228779
3	IGNOU Study Centre0558B Koshi College, Khagaria-851205	2003	Dr. V. K. Ranjan	9431210047 06244-222070
4	IGNOU Study Centre0560B T. P. College, Madhepura-852113	2003	Dr. H.L.S. Jauhari	9431892982 06476-223630
5	IGNOU Study Centre0561 D.S. College, Katihar-854105	2003	Dr. Jagdish Chandra	9431412046 06452-241883
6	IGNOU Study Centre0562B Araria College,Araria-854331	2003	Prof. N. K. Singh	9430881253
7	IGNOU Study Centre0563B B.S.S. College,Supaul-85213	2003	Mr. Rajendra Jha	9431091482 06478-229622
8	IGNOU Study Centre0564B Marwari College, Kishanganj-855107	2003	Dr. D.N. Sah	9431445342 06456-222587
9	IGNOU Study Centre 0580B Forbesganj College Forbesganj-854318	2006	Dr. Bhagwan Mistry	9955018746
10	IGNOU Spl.Study Centre 46003D Deepalaya Inst. Purnea - 864301	2010	Dr. A. K. Raman	06454-226146
11	IGNOU Spl. Study Centre,46008D Koshi Kshetriya Viklang Kendra Saharsa- 852201	2010	Sh.Vinay Bhusan Prasad	06478-229622 9472600141
12	IGNOU Spl.Study Centre 460010D Deepalaya Inst. Purnea - 864301	2010	Dr. A. K. Raman	06454-226146
13	IGNOU PSC 46009P MFAA B. Ed. Teachers' Training College, Purnea -854301	2010	Mrs. Pratima Patel	9304253003
14	IGNOU PSC 46013P Bal Mahila Kalyan Vikas Ashram, Mirchaibari, Katihar- 854105	2010	Mr. Ramendra Choudhary	9934372100 06452-232176
15	IGNOU PSC 46014P Mod's Diabetes Research Centre Line Bazar, Purnea- 854301	2010	Dr. R. K. Modi	9430684925
16	IGNOU PSC 86001P Govt. Polytechnic College, Saharsa	2012	Dr. P K Srivastava	9304707357
17	IGNOU SSC 86002D District Jail, Saharsa	2012	Mr. S N Mandal	9534985463
18	IGNOU SSC 86003D Ramesh Jha Women's College, Saharsa	2012	Dr. A K Thakur	9431863203
19	IGNOU SSC 86004 MHM College, Sonbarsa Raj	2012	Dr. A K Singh	9471048299

"If the mind is intensely eager, everything can be accomplished - mountains can be crumbled into atoms"

- Swami Vivekanand